उनकरा से कह यीशु उनकरा से

परेम करत ह

परमेश्वर क परेम क प्रकाश क ग्रहण
कर स्वयं क लेल

जॉयस मेयर

न्यूयार्क टाइम्स क नंबर वन बेस्ट सेलिंग लेखिका

उनकरा से कह यीशु उनकरा से

परेम करत ह

उनकरा से कह यीशु उनकरा से

परेम करत ह

परमेश्वर क परेम क प्रकाश क ग्रहण कर स्वयं क लेल

जॉयस मेयर

JOYCE MEYER MINISTRIES®

Nanakramguda, Hyderabad - 500 008

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from The Amplified® Bible (AMP). Copyright © 1954, 1962, 1965, 1987 by The Lockman Foundation. Used by permission.

Scriptures marked NKJV are taken from the New King James Version. Copyright © 1979, 1980, 1982 by Thomas Nelson, Inc.

Scriptures marked KJV are taken from the King James Version of the Bible.

Copyright © 2013 by Joyce Meyer Ministries - Asia

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, or stored in a database or retrieval system, without the prior written permission of Joyce Meyer Ministries - Asia.

Joyce Meyer Ministries - Asia
Nanakramguda,
Hyderabad - 500 008

Phone: +91-40-2300 6777
Website: www.jmmindia.org

Tell Them I Love Them - Magahi
Receiving a Revelation of God's Love for You

Printed at:
Caxton Offset Pvt. Ltd.
Hyderabad-500 004

विषय सूची

	भुमिका	vii
१.	परमेश्वर आपन प्यार करत ह	1
२.	का हम इ योग्य ही	7
३.	परमेश्वर क अर्थ ह सम्बंध रखे क	15
४.	परेम भरोसा जा विश्वास	21
५.	भय स मुक्ति	28
६.	प्रेम क दायरा बढत जात ह	33
७.	परमेश्वर क प्रेम आपन बदल दींही	40
	एक नया जीनगी क अनुभव कर	45

भुमिका

हमारा मानना ह कि अमदी क प्रेम क व्यक्तिगत प्रकाशन क समे स अधिक आवश्यकता हंई। हमरा इहो मानना ह कि जयवंत मसही जिनगी जिये क लेल ए प्रकाशन एगो आधारशिला ह। हम परमेश्वर क प्रेम क बारे मे वौध्दिक ज्ञान न ह परंतु प्रकाशन चाहे क। जबे हरेक विश्वाशी परमेश्वर क प्रेम पर चिंतन मनन कारे ल, आपन-पहचान व और उ प्रकाशन क लिखल वचन औउर प्रार्थना क माध्यम त खोजे ज जन्न करत, तबे उ इ प्रकाशन केवल पवित्र मन स देई सकत ह।

परमेश्वर सगरे जहाँ से स प्रेम करत ह। औउर इ लेल उ यीशु क संसार क लेल बलिदान होवे भेज दिहल इ जाने औउर माने बिल्कुले आसान हव। जाने और माने बिल्कुले आसान ह। परंतु जदि आपन धरती पर अकेला अमदी होरब, तबे भी का आपन लेल परमेश्वर क प्रेम क इते होत कि यीशु क आपन लेल मरे भेजत, इ विश्वात करना तनिका कठिन ह।

अनेक बरस तक निराश हताश मसीही क रूप म जिनगी बताए क बाद हमारा परमेश्वर क प्रेम समझ म आयल। परमेश्वर कृरपा स पवित्र आत्मा क द्वारा हमारा इ प्रकाशन मिलल कि इ हमारा सम्पूर्ण जिनगी औउर ओकरा साथ हमरा चाल चलन क भी बदल दिहल।

हमरा विश्वास ह कि जे कुछो आपन इ पुस्तक म पढब इ परमेश्वर क प्रेम क विषय म आप नुआ अंतर्ड्रिष्ठ औउर समझ प्रदान करत। हमरा इ भी विश्वास ह कि उ व्यक्तिगत रूप स प्रकाशन प्राप्त करे क लेल आपन अंदर एक नुआ भूख प्यास क जागृत कर दिहल। हमरा निवेदन ह कि आपन इ पुस्तक क धीरे धीरे पढी, इ अध्ययन क रूप म ल औउर पवित्रशास्त्र क वचन और विचार पर जे आगे क पन्ना आपन पाइव, चिंतन - मनन करे क।

इ जानत हुए कि, हम परमेश्वर स अलग होकर कुछ न ह, उनकर वचन स जे प्रकाशन औउर समझ हम पैत ह परमेश्वर क अनुग्रह म एगो पुस्तक क रूप म विनम्रतापुर्वक आपन भेंट करत हव।

उनकरा से कह यीशु उनकरा से

परेम करत ह

१

परमेश्वर आपन प्यार करत ह

काहे क परमेश्वर जागत स एइसा प्रेम करत क उ आपन इकलौता पुत्र दे देहलस, ताकि जे केहु उ पर विश्वास करत क उ आपन इकलौता पुत्र दे देहलस, ताकि जे केहु उ पर विश्वास करत उ नाश न होत परंतु अनंत जिनगी पाइत। उ इ न चाहत ह कि हम उ पर निर्भर कर, अवलंवित ह, उनकरा सहारा पायव, उनकरा प्यार करब औउर उ भी हमरा प्यार करत। उ चाहत ह कि हम उनकरा पर भरोसा करव औउर केहु भी जरूरत क समय हम उ पास जाएव। उ आपन साथ एगो व्यक्तिगत सम्बंध रखी चाहत ह।

हमरा म स बहुते युहन्ना ३:१६ कएक एक बइ रूप म लेत ह, ओ हाँ हम जानत ह कि यीशु संसार क लेल बलिदान जिनकरा लेल यीशु न जान दिहल यीशु प्रत्येक अमदी क लेल जान दिहल उ आपन लेल जान दिहल।

जदि आपन धरती पर एगो अकेला अमदी होत त भी उ आपन लेल जान देत। उ आपन लेल जान देत। उ आपन अकेला क लेले समे पीडा सहत । उ आपन अकेला क लेल समे पीडा सहत। उ आपन लेल जान दिहलन ह। परमेश्वर आपन बहुत प्यार करत ह, उ आपन अनंतकाल के लेल प्रेम करत ह।

एगो बार हम कार चला रहनी हल औउर परमेश्वर से हमरा मन में बातचीत भेलस "जॉयस तु हमार ऑख क पुतली ह, हमरा पता न हल कि इ वचन पवित्र शास्त्र म ह शैतान तुरंते हमरा से कहइत ह" ऐइसा कहना, घमण्ड करना न ह। तोरा का लागत ह, तु कौन ह, जब हम सोचे के चाहत इ हमरा स्वाभाविक सोच विचार के उल्टा ह कि हम स्वय क विशेष व्यक्ति समझत ह, इ कि हम वरदान पईलस ह औउर दुसरा स भिन्न ह। औउर परमेश्वर पिता न हमरा एइसन ही बनउलस ह।

जबे हम विषय पर सोच विचार कर रहल रहनी, परमेश्वर हमरा मन म एगो औरत क तस्वीर। चित्र दिखउलस जे सुपर बाजार म सेव क ढेर क सामने खडा हल। उ समे तरफ देख परब कर एक सेव चुनलस जे समे से अच्छा हल औउर उ चुन कर खरीदे लगलस। परंतु परमेश्वर हमरा काहे चाह रहलस हन कि हम उनकए लेल सबसे बढिया सेव रही। हमर विशेष हन। सुने में शायद इ सही न लगस, परंतु

परमेश्वर हमरा सबसे इ कहत ह काअ इकर इ अर्थ न कि परमेश्वर हमरा सबसे नजदीक मान रहल हाकि हम सब विशेष ह। इ बात परमेश्वर क वचन म लिखलह औउर वचन सभे लेल ह। तु सभे परमेश्वर हमरा सबसे नजीक मान रहल हन औउर इ कह रहलन कि हम सब विशेष सभे लेल ह। तु सभे परमेश्वर क ऑख क पुतली ह।

परमेश्वर हमरा का कह रहलन हन, हम उ ग्रहण न कइनी। हम अपन बारे म इतना बढिया बात सोचे क लेल खुदे क दोषी ठहरहनी। लगभग दुगो दिन बाद हम बाइबल में भजन १७:८ मपदल, हमरा लागल मान उ बचन हमरा घुर रहल हन। अपन आरव क पुतली क न संभाल रख अपन पंख के तले हमरा छिपवले रख, हम कहनी, ओह उ सचमुच परमेश्वर क आंख क पुतली रहिन, जेते अधिक हम इ विषय पर विचार पर विचार कईलस उतना लम्बा समय तक, हर बात हम खुदे क एगो विशेष अमदी क रूप म अनुभव कैलस, लोग क हृदय म एक भूख-प्यास, लालसा औउर अभिलाषा होत ह कि केहु उ से प्रेम करस। परमेश्वर न हमरा इ तरह बनौलस ह। हरेक अमदी इ मानत ह कि परमेश्वर सगरे दुनिया स प्रेम करत हम, यीशु से प्रेम करत हन, परंतु उ प्रेम करत हन, इमाने में कठिनाई महसुस करत ह। परंतु परमेश्वर क वचन सिखात ह कि परमेश्वर उ से ओते ही प्रेम करत हन जेते प्रेम उ यीशु से करत हन, आप हम युहन्ना २० पढब।

काहे के कि पिता पुत्र स प्रीती रखत ह अऊर जे जे काम आपन करत ह, उ सब उ दिखात ह औउर उ इ स भी बड काम उ दिखउलस, ताकि तु अचम्भा कर। इहाँ परमेश्वर क कथन ह "हम यीशु के दुआरे

इ महान काम क कर रहल ह औउर इ भी महान काम क कर व ताकि तु अचम्भा करल ठीक ह, परमेश्वर क काम पर चकित होवे अच्छा ह।"

हम इ वचन का पढत ह-परंतु हमेशा उ बात बात क खो देत ह जे परमेश्वर चाहत हन कि हम करी। उ चाहत ह कि हम उ महान काम क जे इ यीशु क दुआरे कईल देखलन अऊर चकित होके कहलन "इ अदभुत काम कइलन ह, तबे उ चाहत ह कि अमन कतेक अदभुत काम कइलन ह, तबे उ चहत ह कि आपह बाइबल म युहन्ना १४:१२ म लिखल बात पे ध्यान द जहाँ यीशु न कहलस" जे हमरा पर विश्वास रखत ह इ काम जे भी हम करत ह उ भी करस, वरन इ से भी बड बड काम कर व काहे कि हम पिता क पास जाय ह।

परमेश्वर वईसन ही काम वरन उ से भी महान काम अपन दुआरे समपन्न करत हन, जे उ यीशु के दुआरे कइलस ह, काहे के कि यीशु आपन माता पिता के पास चल गइलन ह। का आपन इ बात प विश्वास करत हन? का सचमुच इ विश्वास आपन करत ह कि परमेश्वर आपन से प्यार करत ह और आपन उपयोग करत हन।

एगो दिन जब हम इ वचन क अध्ययन कर रहनी हन, प्रभु हमरा से बात करत हन, जॉयस हम लोग क लेल प्रतिदिन कतेक काम करत ह, कि हम उ से प्यार करत हन औउर इ अक्सर इ समझ ना पायस हन, उ इ न त समझत ह न पहचान पात ह। हम तो के केवल उदाहरण देत ह प्रतिदिन हम जब सुरज से कहत ह उदय ह त उ इ बात जायस क लेल, बेट्टी क तेल, जेमी क तेल, आपन लेल (आपन इहाँ नाम लिख द) भी कहत ह।

रुक औउर सोच सुरज प्रतिदिन उदय होत ह, औउर आकाश म आपन लेल चमकत ह। जी हाँ सुरज परंतु हम इ मनकर चलत ह कि उ त निकलत ही ह। हम इ जानत ह कि सुरज प्रतिदिन निकले वाला ह परंतु उ आपन लेल होत ह। जबे बर्फ बारी होत ह इ आपन लेल होत ह, परमेश्वर आपन से प्यार करत ह।

व्यवस्था विवरण ७:९ म लिखल ह

इ लेल जान रख कि तोरा परमेश्वर यहोवा ही परमेश्वर ह उ विश्वास योग्य ईश्वर ह, अऊर जे उ से प्रेम रखत ह अऊर उनकर आज्ञा क मानत ह उनकर साथ उ हजार पीढी तक अपन वचन पालत ह औउर उ पर करुणा करत रहत ह।

का आपन ना लागलस कि हजार पीढी तक परमेश्वर क वचन एक पर्याप्त कारण ह कि आपन उ प्रेम क पावत चाहत ह, उ अनंत काल क परमेश्वर ह औउर आपन इ थका ना सकत। हमरा स अधिकतर इ सोचत ह कि आपन गलती औउर बिगडल बात क दुआरे इ परमेश्वर क थका न औउर प्रेम करत हुए कबहुन भकव न। प्रेम करल परमेश्वर क लेल एक क्रिया न ह इ स्वय प्रेम हव।

इ धरती पे जे उन, आ कबहुन होई अस ऐसन सबसे बुरा औउर दुष्ट पापी भी जदि यीशु क मुह पर थुक दीहन औउर कहस हमरा तोरा का लेना देना हम नरक जाय म संतुष्ट ह परमेश्वर उ से भी प्रेम करत हन। फिर भी उ से जे चुनल गयल हन औउर परमेश्वर क उद्देस्य क पूरा करे क लेल अलग कईल गईल ह, का प्रेम न कर व।

शायद आपन इ कह चुकल हा कि हम यीशु क ग्रहण करत करती ह औउर उ से प्रेम करत। परंतु हम आपन से पुछत चाहत हई कि परमेश्वर आपन से प्रेम करत ह इ बात पर आपन कतेक विश्वास करत ह?

आपन लेल इ बिल्कुल सीधा औउर सरल संदेश ह परमेश्वर आपन से परेम करत ह, परंतु इ आधारशिला ह इ सब बात क लेल जे परमेश्वर चाहत हा कि आपन समझव।

आपन परमेश्वर क बात क कतेक भी सीख व और इनकर अध्ययन करे औउर खोजे म कि तेक परिश्तम कर व जदि आप्न इ सत्य क स्वीकार कर सकत कि परमेश्वर आपन से प्रेम करत ह त आपन कबहू दूर न जाइव परमेश्वर क प्रेम आपन विश्वास पाप स स्वतंत्रता औउर बिना भय होकर दुसरा क लेल आगे कदम बढवे लेल नींव क पत्थर ह। *का आपन परमेश्वर क इ प्रेम स्वीकार कर व।*

परमेश्वर आपन से प्यार करत हव

२

का हम इ योग्य ही

"औउर आशा स लज्जा न होवत काहे कि परमेश्वर जे हमरा दिहल गयल ह उ के दुआरे परमेश्वर जे हमरा दिहल गयल ह उ के दुआरे परमेश्वर क परेम हमरा मनम डालल गयल ह" काहे कि जब हम बलहीन ही हन (स्वय क सहायत करे म असमर्थ) त मसीह ठीक समय पर भक्ति हीन क लेल मरल परंतु परमेश्वर हमरा पर अपन निज परेम क भलाई इ रीति स प्रगट ह कि जबे हम पापी ही हन तबे मसीह हमरा लेल मरल (अर्थात मसीहा-परमेश्वर क अभिषित) से जबे हम, अबे उनकरा लोहु क कारण धरम ढहलस परमेश्वर क साथ सही सम्बंध म लायल गयल त उनकरा दुआरे क्रोध स काहे न बचस? (इ निस्चित ह) काहे कि बैरी दुश्मन क्रोध स

काहे न बचस? (इ निश्चित ह) काहे कि बैरी दुश्मन क्रोध स काहे न बचस? इ निश्चत ह काहे कि बैरी दुश्मन होवे क दशा मत उनकर पुत्र क मरल म कारण उद्धार (प्रतिदिन पाप क अधीनता स छुटकारी) काहे न पाइव?

— रोमियो ५:४-१०

हमरा से अधिकतर जबे तक केहु बात म उलझ न जात तबे तक केहु बात म उलझ न जात तबे तक त विश्वास कर सकत ह कि परमेश्वर क प्रभावित न कर सकत औउर परमेश्वर उ से परेम न कर सकत। परंतु बाईबिल म लिखल ह कि अमदी का ह जे तु उ दृष्टि करत औउर इ से स्मरण रख (भजन ८:४) हम परमेश्वर क रचना ह औउर इ हमरा से प्रेम करत हा त इ लेल कि इ प्रेम ह। युहन्ना ४:५

इ आपन स प्रेम करत ह और दुसरा स भिन्न ह। आपन क सामान बनावे क आवश्यकता न ह औउर न हम आपन शैतान क इ कहे क अवसर प्रदान कर व कि अपन इ योग्य होवे जा बने क आवश्यकता न ह

का यीशु न बलिदान इ लेल दिहलस कि आपन बड महान औउर अदभुत अमदी ह व इ लेल कि उ आपन स परेम करत ह? बाईबिल कहे लाकि जबे उनकर प्यार इ से आपन लेल मरल लेल तैयार कर सकत हन, तबे उ के लोहु प्यार करस ह (रोमियाह ५:८-९) उ आपन स इतेक प्रेम करत ह कि प्रतिदिन होने वला गलती क टॉप देत ह। उ आपन से इतेक प्यार करत हाकि हर दिन गुजारे क लेल सामर्थ और जय देत ह।

परमेश्वर एगो दिन एगो उदाहरण देक हमरा समझलस ह कि हम पर गलती औउर देकर हमरा समझगल;अस ह कि हम पर गलती औउर कमी क आंख स देखत ह। कल्पना कर कि एगो नन्ही बुचई ३ जा ४ बरस क आपन महतारी क हमेशा काम करत होईल देखत ह उ आपन महतारी स इतेक परेम करत हा कि एगो दिन छोट बाल्टी म पानी भाई के औउर कागज हाकि एगो दिन क कपडा लेईके सामने के दलान म खिडकी साफ करत ह औउर कागज क टुकडा स खिडकी क पोछत ह।

वईसे त खिडकी औउर वी तांदा हो जात ह, साबुन औउर कपडा स पोछे क दाग उहान दिखाई देत ह औउर कपडा स पोछे क दाग उहा दिखाई देत ह औउर जबी आपन देखत ह कि उ आपन सबसे अच्छा लागत ह कि कपडा क खाराब कर देत ह, आपन लागत ह कि उकर गर्दन पईके मोड दी। परंतु इ आत ह औउर नजीक आकर अपन मधुर धीमा आवाज म कहत ह महतारी हम खिडकी क धो देनी हन हम आपन लेल इतना मेहनत करत हा हम आपन स प्यार करत हा महतारी एगो परेममई महतारी कहत हन ओह तु बहुते अच्छा काम कईल हम मदद करे क धन्यवाद, तबे जइसे ही बुची उ स हट कर गेल इ ओकरा फिर स साफ करे म जुट जात औउर बाद म इ ओकरा समझत कि एइसन फिर कबहु मत कर।

परमेश्वर न हमरा बतायल कि उ हमरा लेल इ करत ह, उ हमेशा हमरा दुआरा कईल बिना हिसाब के काम के सुधारत ह। जदि आपन केहु काम के करे क जानत ह कि उ सर्वोत्तम ढंग स कईसे करे क करे क जानत ह कि उ सर्वोत्तम ढंग स कैसे करे क ह त परमेश्वर आपन

स इहे अपेक्षा न करत जे आपन के न आत ह। तबे उ आपन के अवश्य बदलत ह काहे के कि उ जानत ह कि बिना उनकर सहायता क आपन आपने आप क बदल न सकत ह।

काहे कि जेकरा परमेश्वर न भेजल ह उ परमेश्वर क बात कहत ह, काहे कि परमेश्वर उ आपन आत्मा नाप नापकर न देत ह, काहे कि परमेश्वर उ आपन आत्मा नाप नापकर न देत ह (परंतु बिना सीमा क परमेश्वर क आत्मा क दान देल जा सकत ह)

> "पिता पुत्र स परेम रखत ह औउर इ सबे बात (विश्वासपूर्वक सौप देहल ह) वस्तु ओनकर हाँ दे देल ह।" युहन्ना ३:३४-३५

एगो बार जबे हम अध्ययन कर रहल हन, हम इ पद पर मनन कर रहल हन औउर हम आनंद हम स चिल्ला पैल जबे हम पढल कि परमेश्वर अपन आत्मा नाप नापकर न देत ह उ हमरा केहु बात क थोडा सा आज औउर थोडा स कल करके न देत ह।

परंतु उ कहत ह आप जेकुछ हमरा ह ले ल आज परमेश्वर का पुरा समर्थ औउर परेम आपन लेल उपलब्ध ह। आपन जे चाही उ पास ह औउर उ चाहत ह कि आपन उ सबे प्राप्त कर ल डाले? काहे के कि उ आपन होवे जा बने क आवश्यकता न ह काहे कि जोग्य बने क लेल भी आपन कुछो न कर सकत। आपन क बेहतर बने जा योग्य बने क आवश्यकता बिल्कुल न ह। परमेश्वर आपन देवे क चाहत काहे कि उ आपन परेम करत ह।

व्यवस्थाविवरण ७:६-७ म लिखल ह कि "काहे के कि तु अपन परमेश्वर यहोवा क पवित्र प्रजा हन यहोवा न पृथ्वी भर के सभे देश क अमदी म स तोरा चुन लक ह कि तू आपन प्रजा औउर निज धन ठहरल।"

यहोवा न जे तोरा सनेह करके अमदी म स तोरा चुन लेल इ कारण इ न कि तु गिनती म औउर सब देश क अमदी स अधिक हन किंतु तु त सब देश क लोग स गिनती म थोडा हन।

परमेश्वर न इस्त्राएली क अपन निज प्रजा होवे क विशेष दर्जा देलस औउर कलीसिया क रूप म हम आज वास्तविक आत्मीक इस्त्राएली हन, इ कारण इ वचन जइसे उनकर लेल ह न चुनलस कि तु पृथ्वी पर सभे से अधिक संख्या म हन। हमरा लेल इकर अर्थ ह कि हम तोरा इ लेल न चुनले हन कि तु काम न सही हन जा तु इतेक अद्भुत हन कि हम तोरा चुन लेल ह।

यहोवा न जे तोरा बलवंत हाथ क दुआरे दासत्व क घर म स औउर मिस्त्र क राजा किरौन क हाथ छुडाकर निकाल लेल इ कारण ह कि इ तोरा परेम रखत ह औकर उ शपथ क भी पूरा करी चाहत ह जे इ तोरा पूर्वज स आईल हन।

इ जय जयकार करे क अवसर ह। परमेश्वर कहत ह हम तोरा स परेम रखत ह, हम तोरा स कहत ह कि तु पवित्र ह, तु विशेष ह, हम तोहरा भला औउर अद्भुथ होवे क कारण तोरा न चुनल परंतु लेल चुनल कि हमरा तोरा सप्रेम ह, का आपन जानत ह कि आज परमेस्वर आपन

से का चाहत। उ चाहत ह कि आपन उ के परेम क स्वीकार कर औउर अपना ल।

हमरा स अधिकांश अमदी क सभे स बड समस्या इ ह कि हम अपन आप क नापसंद करत ह। हमरा विश्वास न करत हा कि परमेश्वर हमरा से परेम करत ह जा केहु अन्य हमरा से प्रेम करत ह। हम सोचत ह कइसे केहु हमरा से प्रेम करत, हम इ योग्य न ह। जदि आपन इ विश्वास करत ह कि आपन अरुचिकर औउर बदसुरत ह त अवश्य ह कि आपन आईसा ही सोचे, दिखे औउर काम करत लागत ह, आपन हृदय में अपन जे छवि ह आपन उ से उपर ना उठ सकत, हमरा सभे स बड समस्या इ हन कि हम अपन आपक नापसंद करत ह औउर हम कम से कम ७५ प्रतिशत समय अपन आप क बदले क कोशिश म व्यतीत करत ह। हमारा लग ता ह हम बहुत बोलत ह, त हमरा चुप रहे क कोशिश करे चाहत ह, परंतु जबे हम चुप रहत हम अवसाद से घिर जात ह औउर प्रत्येक अमदी इ जाने क कोशिश करत ह कि हम बहुते बोलत हन, हमरा अकेला छोड दा, हम चुप रहे क कोशिश कर रहल हन, हम आपन बता ना सकत हन कि हम बहुते बोलत हन, हमरा अकेला छोड दा, हम चुप रहे क कोशिश कर रहल हन।

हम आपन बता ना सकत हन कि हमरा कतेक बरस इ प्रयास म बीत गयल औउर तब भे हम आपन बड बोला मुह क कारण परेशानी में फंस जात हन, बहुत से लोग जे अधिक बोलत ह उनकर शादी एक ऐसन अमदी से होत ह जे बहुत कम बोलत ह। उनकर चुप रहे के कारण अईसन लागत ह कि आपन बड बोलापन औउर भी आधिक बड गयल

ह, शैतान आपन बार बार याद दिलावत ह कि आपन बहुत बोलत ह औउर इकरा ही दोषी ठहरायल कहत ह।

परमेश्वर चाहत ह कि आपन पर दोष न लगे, परंतु इ लेल विश्वास औउर निडरता क आवश्यकता ह। का आपन जानत ह जितेक शर्मिंदा हो ल, आपन दोषी होवे क भावना स एक वी गलत काम जे अपन कर चुकल ह, उ कर दामन चुकाएल जा सकत? इ सचमुच कठिन काम ह, जबे आपन कुछ गलत काम कर दिहलस ह, परमेश्वर आपन स परेम करत ह, इ विश्वास करे कठिन ह।

शैतान अपन लगातार औउर बार बार याद दिलात औउर चोट पहुंचत हन कि आपन कितना आरूचिकर बुरा औउर बदसुरत ह इ कहत ह तु का सोचत ह कि तु ह कौन? परमेश्वर तोरा कबहु आशीष न देत, तु गंदा औउर बूढा ह। तु अबे केहु क साक्षी न दे सकत, तु केहु भी काम न कर सकत।

इ अवसर ह जबे आअन भीतर मनुष्यत्व स निडरता स उढे क आवश्यकता ह कह "हे पिता हम गलती करत ह आउर हम आपन स पार्थना करता। ती हन कि यीशु क लोहु स धोकर हमरा क्षमा कर दीहत। हम सचमुच इमानदारी स एइसा चाहत।" चाहती हन कि जबे तक हमरा दोषी टहरावे वाला इ भावना क दूर कत देव आपन उ पाप क दोहरा यल भी बंद कर देव।

पाप क दोष औउर दोषी ठहरावे का भावना आपन के दवात चल जायत औउर इहाँ तक कि अपन इ से निकलकर स्वतंत्र ना हो पयव। दोषी ठाहरायल का भावना के नकारी क लेल निडरता चाहत ह। आपन

निडर होकर आपन विश्वास म कार्य करे क हन और कहे क हन कि आपन पर दोष न ह। शैतान आपन स कहत ह, तोरा अभिप्राय ह कि तु पाप कइके महसुस न कर ह "तोरा अभिप्राय ह कि तु पाप कईके महसूस नकर व। काहे तु कम से कम कुछ घंटा तक बुरा लागे लागत, उ काम तु कैल सचमुच बुरा हन। आपन केवल इ कहे क ह" ना बिल्कुल ना हम बिल्कुल भे दोषी होवे क भावना क स्वीकार न करब, शुरू शुरू में कठिनाई होता ह, इ कठिन ह, परंतु केवल ३ वा ४ वार क बाद आपन इ भावना स लडे क सीख लेते ह।

यशायाह ५३ म ५.६ औउर ११म लिखल ह कि जबे यीशु न हमरा पाप क अपन उपर उठायल उ ने उनकर दोष क भे (जे में दोषी ठहरायल जाये क भावना भे शमिल ह) आपन उपर उठायल। शैतान नाचाहत ह कि आपन अपराध बोढ औउर आत्म ग्लानि स स्वतन्त्र हो जयव। काहे? काहे के कि जदि आपन बोध औउर आत्मग्लानि स पीडीत रहव आपन परमेश्वर क प्रेम क कबहु स्वीकार ना कर सकत ह...दोषी ठहराबे क भावना हमरा परमेश्वर स अलग करत औउर हमरा एव परमेस्ग्वर के बीच लोहा क दीवार के रूप में खडा हो जात ह, उ केवल अपरेआध बोध और पाप जे आपन क सामने ह।

आत्मग्लानि स विमुक्त हो जाई क औउर विश्वास कर कि परमेश्वर न इ कहलस कि उनकर अनुग्रह हमरा सभे पाप क ढांप देवे क लेल पर्याप्त ह। उ आपन स प्यार करत ह औउर उ के ओर स अनुग्रह औउर क्षमा उनो निःशुल्क दिहल जायवाला उपहर ह, आजे ही उ ग्रहण कर ल।

परमेश्वर *आपन* से प्रेम करत ह!

३

परमेश्वर क अर्थ ह सम्बंध रखे क

“औउर जे परेम परमेश्वर हमरा स रखत ह उनकरा हम जान गयल ह (समझ, पहचान, विवेक व अनुभव स) और हम इ पर विश्वास ह कि (उ में बनल रहत ह औउर भरोसा करत ह) परमेश्वर परेम ह औउर जे परेम म बनल रहत ह उ परमेश्वर म बनल रहत ह औउर परमेश्वर उ में बनल रहत ह।”

— युहन्ना ४:१६

आपन कइसे परमेश्वर क औउर अधिक जान सकत और पहचान सकत ह। इ चाहे आपन क कितना भी अधिक परेम औउर पहचान सकत ह औउर पहिचान न सकत ह कि जबे वस्तव म अधिक परेम कहत ह त कितना अच्छा महसूस होत ह। आप इतेक गर्म जोश औउर अद्भुत महसूस

करत ह कि आपन दुनिया क भूल जात ह, काहे कि केहु आपन स परेम करत ह औउर उ प्रेम प्रगट करल चाहत ह, इ चाहत ह कि आपन रोज उनकर साथ समय वितायव।

का आपन औउर परमेश्वर क बीच वस्तविक रूप म व्यक्तिगत सम्बंध ह। बहुत समय पहिले इ आपन उद्धार क अनुभव पाइल इन इ अर्थ इ न कि आपन आज ही परमेश्वर के साथ सहभागिता क भरपुर आनंद ले रहल ह, जबे हमसुबह अमन आंख खोलत ह सबसे पहिले हम परमेश्वर क बारे म ही सोचत रहत ह। इ से अधिक हम और कुछ ना चाहत, इ भरल पुरल संसार म केवल परमेश्वर क प्रसन्न कर औउर उनकर सेवा कराके और इ पावे क लेल आपन कुछ भी करत ह उ उचित ह।

हमरा भीतर एक खाली स्थान ह जे मे केवल परमेश्वर ही सही रूप म बाइढत ह। दुसरा केहु वस्तु जा अभिलाषा उ खाली स्थान क न भर सकत ह। आपन आपन आप स इ कह सकत ह। हमरा पता ह कि हमरा मसीह क ग्रहण कर लेले ह। परंतु क आपन इ सभे परिस्थिती म प्रत्येक दिन, प्रत्येक मिनट ग्रहण कर रहल; हन? का आपन परमेश्वर क परेम क ग्रहण कर रहल हन?

परमेश्वर आपन स परेम करत ह, औउर उ आपन लेल विशेष ह उ हमरा ओकर साथ सहभागिता क्रे क लेल सेजल गसल ह। हमरा जिनगी क लेल इहे इ सबसे बड अभिलाषा औउर इच्छा ह। उ प्रत्येक प्रात; आपन सिंहासन स नीचे झुककर कहत ह “गुड मार्निंगं, हम तोरा स प्रेम करत ह।”

हमरा एक मित्र न प्रार्थना करत समय एक दर्शन देखल। उ देखल कि परमेश्वर पिता प्रत्येक भारी म जब अमदी सोकर उठत ह तबे अमरीका क घर म जात ह। उ उसे सहभागिता औउर बातचीत क लेल बिल्कुल तैयार रहत ह। उ टेबल क पास एक कुर्सी पर बैठ जात ह। अमदी सोकर उठत ह, आत ह औउर चल जात ह। उ आत ह और चल जात ह। उ परमेश्वर सकहत होएल जात ह "है परमेश्वर उहा थोडा देर रुक, हम आपन स बाउत चीत कर व, बाअद म, हम आपन साथ सहभागिता करवबाद म।"

दिन समाप्त होत ह औउर उ लडकी क दिल टूट जात ह, इ देखकर क केहु भी परमेश्वर स बात करे क न आत ह औउर परमेश्वर झुकल कंधा क साथ निराश होकर उहाँ स चल जात ह। बहुत अधिक व्यस्त मत हो व।

जदि आपन साथ परमेश्वर स प्रार्थना करे क और समय वितावे क समय ना ह, तबे आपन बहुते व्यस्त है, कुछ समय निकाल औउर परमेश्वर स कह कि आपन उ से कितेक प्रेम करत ह। जब सारा बात समाप्त हो जात ह। औउर केवल जय जयकर रह जात ह, तब उहा औउर कुछो का केवल परमेश्वर होत ह उहे उ स्थान ह। जदि आपन औउर परमेश्वर क बीच सम्बंध न ह तबे इ स्थान तक पहुंचे न आपन देर लग जायत इकर अर्थ इ न कि आपन स्पर्श न जाय, व परंतु आपन जयवंत जिनगी जीये क आनंद खो देत ह।

हम अपन क एक बरस परमेश्वर क लेल अलग कर देवे क सुझाव देत ह जेमे आपन परमेश्वर क परेम करे क अवसर देत ह। आपन

सामर्थ्य क पुरुष औउर औरत नबन। आपन केवल आपन पिता क गोद म चल जाय बच्चा क तरह औउर परमेश्वर क आपन स परेम करे क द आप जबे तबे परमेश्वर स परेम न कर सकत।

युहन्ना ४:१६ म लिखल ह और जे परेम परमेश्वर हमरा स रखत ह उ के हम जान गयल ह (समझ, पहचान, विवेक, और अनुभव स) औउर हम उ पर विश्वास ह (उ मे बनल हैं क भरोसा करत ह कि) का आज भोर सोकर उठके आपन कहत ह हे परमेश्वर हम आपन क धन्यवाद देवैत। दइती ह कि अपन हमरा इतेक अधिक परेम करत ह कि आपन यीशु क हमरा लेल बलिदान होवे क भेज देल ह। हे पिता हम आपन धन्यवाद देवइत। देइती हम इ कि आपन पुनरुथान क सामर्त्य हमरे भीतर वास करत ह, हे पिता हम आपन धन्यवाद दईत ह, कि आज जहाँ भी जईती। जाइएव अशीष का कारण ठहराव ठहराव हे परमेश्वर आपन हमरा स प्रेम करत ह, हम आपन विशेष संतन ह, अह अपन आंख क पुतले ह। आपन हमरा स प्रेम करत है।

आप आपन आपस बात करत औउर इ बात क जानत औउर संज्ञान रखत कि आपन परमेश्वर क परेम म घिरल ह औउर उ मे आकण्ठ डुबल होएल ह। बाइबिल कहत ह कि इ आपन चेहरा आपन हथेली पर खोदकर बनइलभीन ह (यशयह ४९:१६) हम उ से उहान देख सकत ह। उ कह रहल ह, देख इहा देख का इ खुबसुरत ना ह। हम उ से बहुतै प्यार करत ह, और उ के साथ सहभागिता रखल चहत ह।

परमेश्वर क धन्यवाद देवे क यद रख औउर उ के साथ सहभागित कइके सम्बंध क विकसित कर। कबहु कबहु मुह क बल गिरकर वा

लेटकर प्रार्थना कर औउर परमेश्वर क धन्यवाद द कि आपन उद्धार पा लिहल ह। प्रत्युत्तर म परमेश्वर प्रेम ह औउर जे परेम म बनल रहत ह उ परमेश्वर म बनल रहत ह, औउर परमेश्वर उ मे बनल रहत ह।

इ एकत्व अऊर सहभागिता म उ के सथ) स प्रेम हमरा से सिद्ध होएल औउर परिपूर्ण होएल ताकि हमरा न्याय क दिन हिसब होइत। परमेश्वर अपन स परेम करत ह, इ जानकर इ पर अपन विश्वास योग्यता पर भरोसा बढत ह।

परमेश्वर क परेम करे क अवसर देवे पर सभे आशीष आपन क प्राप्त होत्ब ह, बै विश्वास पाप पर जय, चंगाई, समृद्धता आउर आनंद, इ सबे बात तबे होत जबे आपन परमेश्वर क परेम करे क अनुम्ति देत ह, अधिकांशत; हम इ फेर देइत ह, और सोचइत ह हमरा ही परमेश्वर से प्रेम करे क ह, हमरा विश्वास ह कि पहिले आपन परमेश्वर क प्रेम करे क देत ह, हम ना मानत कि परमेश्वर क प्रेम क पाएल बिना आपन परमेश्वर क लेल आपन प्रेम क अभिव्यक्त कर सकत ह।

हम आपन स कह सकत हन कि परमेश्वर स सहभागिता रख और इ इ आपन परमेश्वर स सहभागिता रखे क सचमुच आवश्यकता हन। परंतु आपन इ सहभागिता काइसे कर व? जवे परमेश्वर ना कहल कि हम उनकर साथ सहभागिता रखव, हम बिस्तर पर बैरव गइल औउर हम कहली अब हम का कर व, दे परमेश्वर। इ सही ह, हम पता न कि परमेश्वर कसाथ सहभागिता कएसे रखत ह काहे कि उ समय तक हमरा वास्तव म पता न रहे कि परमेश्वर हमारा स कतेक परेम करत हन।

आपन अमदी क लेल आपन भावना काइसे अभिव्यक्त कर सकत ह, केवल उ से परेम कइके औउर सराहना कइके जदि आपन न जानत कि उ अपन स परेम करत ह जान? आपन डर लागल कि कही आपन मुर्ख न टहरायल जायल, जदि आपन पता ह कि उ आप्न स परेम करत औउर आपनग्रहण करत तबे इ सुविधाजनक ह।

जे जे बाअत हम आपन पति स कह सकत ह औउर कर स्कत ह इ बात दुसरा क सथ न कइल जा सकत। कहे कि हमरा पता ह कि हमरे पति हमरा स परेम करत ह। परमेश्वर क सथ परेम म भी ऐसन ही होत ह। इ लेल आगे बढ औउर प्रारम्भ कर परमेश्वर क एक अवसर प्रदान कर कि उ आपन सहभागिता करे क सिखाई खुदे स आज औउर अबही इ प्रश्न पूछ का हम परमेश्वर क साथ सुविधाजनक। सहज महसूस करत ह?

परमेश्वर आपन स परेम करत ह।

४

परेम भरोसा जा विश्वास

औउर जदि हम मसीह यीशु म न खतना, न खतना रहित कुछो काम ह परंतु केवल विश्वास क जे परेम क दुआरे प्रभाव करत ह (सक्रिय होत औउर अभिव्यक्त होत ह)

— गलतिया ५:६

हमरा स अधिकाश विश्वास प्राप्त करे क प्रयास म समय लागत हन। हम जानत ह कि विश्वास बिना परमेश्वर क प्रसन्न करब अनहोनी ह, (इब्रानिया १:६) इ लेल हम श्रम करत औउर विश्वास पावे क जत्न करत ह, परंतु विश्वास क सम्बंध हृदय स ह आउर आपन केवल परमेश्वर के साथ प्रेममय सहभागिता रखे, क द्वारा उ पा सकत हन। हम आपन के विश्वास करे क न सिखा सकत ह औउर आपन म इतना भूख प्यास जगा

सकत ह कि आपन उ पावे क लेल कुछ भी करे क प्रायास करभीन। इ केवल परमेश्वर स प्रकाशन क दुआरे मिलत ह।

विश्वास प्राप्त करे क लेल औउर परमेश्वर क प्रसन्न करे क लेल कठोर श्रम करे क बंद कर औउर समय द इ से प्रेम करत हुय पूरा दिन परमेश्वर स परेम करत रह औउर उ से आपन परेम करे क अवसर द।

काहे कि हम रूप क देखकर न प (अरंतु विश्वास स चलत ह। हम अपन जिनगी क संचालन औउर नियमन उ विश्वास स करत ह जेकर आधार मनुश्य क परेमश्वर औउर अलौकिक बात स सम्बन्ध ह औउर उ भरोसा औउर पवित्र धुन क साथ चलत ह। २ कुरिंथिया ५:७

एगो बार हम इ वचन क पद रहली हन, परमेश्वर न हमरा हृदय म कुछ महत्वपूर्ण बात कदल, हम विश्वास स चले क सीख रहल हन। हमरे जिनगी क संचालन औउर नियमन इ विश्वास स करत ह जेकर आधार परमेश्वर क समय हमरा सम्वंध पर हमरी धारणा हन, दुसरा शब्द म हमरे औउर विश्वास ह हम उहे क आधर पर विश्वास स चलब। का आपन इ बाअत क समझत ह। एगो अमदी जे इ मानत हाकि उ धरमी न ह, विश्वास स न चल पाइत। एगो अमदी जे इ सोचत ह कि उ मिट्टी क एगो कीडा ह औउर परमेश्वर उ से परेम न करत, उ भी विश्वास स न चल पयत बहुत स अमदी विश्वास क अनुसार चले क प्रयास करत ह, परंतु उ अपन दिल म इ दुसरा बत क विचार न रखत ह।

गलति ५:६ म लिखत ह, विश्वास परेम क दुआरे प्राभाव करत ह, परमेश्वर न हमरा दिल म इ बात इलनी सब सोचत ह कि इ इ वचन

क अभिप्राय ह, जदि उ दुसर स परेम न करत, उ अनकर विश्वास काम न करत, लेकिन इ व्याख्या सही न ह, इ वसतविक अर्थ ह जदि इ न जनत कि हम (परमेश्वर) उनकरा स कितना प्यार करत ह, उअनकर विश्वास काम न करत हन। ब विश्वासबिना परेम क काम न करत हन, लेकिन इ लोग क लेल हमरा परेम न ह जे प्रभाव उत्पन्न करत हन, उ परमेश्वर क परेम ह, उ परेम करे क दिहय ह, तबे आपन विश्वास काम करत हन।

इ बात म काफी फरक ह, परमेश्व पर भरोसा कइके विश्वास स चले क, अर्थात परमेश्वर पर अवलम्बित होयल औउर सब बात क लेल उ पर भरोसा कर। अपन केहु क सथ इन कर सकत, जदि आपन इ न जनत कि इ अपन सपरेम करत ह, आपन इ सब भूल भी सकत ह जदि आपन परमेश्वर क परेम क न जानत जे आपन लेल ह, आपन कबहु भे परमेश्वर पर भरोसा न कर पाइत ह।

जदि आपन सचमुच जानत ह कि परमेश्वर अपन स कितना परेम करत ह, चंगाई प्राप्त करे म अपन कम कठिनाई होत ह। इ प्रकार आर्थिक सहायता प्राप्त करे म आपन अपेक्षाकृत कम कठिनाई होत हन।

आपन प्राप्त न कर पावे क कारण ह, आपन वास्तव म विश्वास न करत कि परमेश्वर उ सब आपन दे रहल ह, आपन शायद इ कर "हम विश्वास करे क चहत। चाहतानी हन पर कइसे करव? आपन भीतर परमेश्वर क प्रेम ह औउर आपन केवल इ करना ह कि जबे परमेश्वर इ दर्शाई आपन उ मान ला। बाइबल कहत ह हम आपन स प्यार करत ह काहे के इ पहिले हमरासे प्यार करत ह (१ युहन्ना ४:१९) आपन

लेल परमेश्वर सप्यार करे क असंभव ह। जबे तक आपन इ तथ्य क न जानव औउर मानब कि इ पहिले उ स परेम कैलस हन।"

ए सबे अपन भीतर ह, आपन ह्रदय म रहे भीत्यर परमेश्वर अपन स प्रेम करत ह, आपन खुबसुरत ह आपन अद्भुत ह, आपन कीमती ह, आपन विलक्षण ह, परमेश्वर आपन स परेम करत ह संसार म केहु भी कबही आपन स उ तरह परेम करत ह, संसार म केहु भी कबही आपन स उ तरह परेम न करब जे तरह परमेश्वर आपन स परेम करत ह।

आपन केहु क जरूरर्ता ना ह, केवल परमेश्वर चाही, परंतु परमेश्वर अन्य लोग क आपन जिनगे म दीही, सत्य इ ह कि ज्दि केवल आपन औउर परमेश्वर होत त सुबेकुछ अच्छा होत, परमेश्वर आपन क सबसे उत्तम मित्र होत ह, उ आपन लाभ होत ह, जदि आपन सभी न ह उ आपन माता पिता होत जदि आपन माता पिता न ह न परमेश्वर आपन स कितना अधिक प्यार करत ह। उहे आधार पे आपन केहु बात क लेल इ पर विश्वास कर सकत ह। परमेश्वर आपन से इतेक प्यार करत ह कि इ चाहत ह आपनउ सब मिल जाये और जबे तक आपन जानत न कि परमेश्वर का चाहत ह आपन पर्याप्त विश्वास म होकर कारज न कर पाइव तकि आपन इ प्राप्त हो सकत ह।

परमेश्वर का प्रेम करय क अवसर देवे पर विश्वास कारज करत क उ योग्यता के आधार पे काम न करत ह। परमेश्वर के आपन से रेम करद। औउर दिन भर परमेश्वर के बतावत रहा कि हे परमेश्वर हमरा पता हव, आपन हमरा से प्यार करत रहा, हालीलुल्लाह; हे पिता हम आपन स्तुति करत ह, हम आपन नाम क महिमा देत ह, स्मिथ विग्गल

वर्भ परमेश्वर क एक महान प्रेरित रहर हन, केहु ना ओसे पूछल कि का उ प्रार्थना मे लम्बा समय व्यतीत करत ह, औउर इ उत्तर देले हन, हम शायद ही कबहु ३० मिनट से ज्यादा प्रार्थना करत ह, परंतु बिना प्रार्थना करत ३० मिनट से अधिक कबहु ना रहत, उ हमारा बारे मे इ भी कहत कि जदि उ बिना प्रार्थना कइल १५ मिनट से अधिक समय बितात ह परमेश्वर सबातचीत न क्रे क लेल पश्चाताप करत ह।

एक गलत सिरा स प्रार्थना क प्रतिफल पावे क प्रयास करत ह, आपन आपन काम क दुआरे उत्तर वा प्रतिफल न पा सकत हन। इ आपन क सभे बात इ प्रकार प्रदान कर रहल हन जे उ आपन उद्धार प्रदान कर रहल हन।

जदि आपन चाहत ह कि आपन परिबार के केहु सदस्य या अन्य केह्हु जन उद्धार पाल उ अपन प्रयास न करत, परमेश्वर क आपन परेम करे क अवसर द, जबे आपन उ सदस्य क देखव आपन उ से परेम करेक तत्पर र्ह व, बाइबल कहत ह जदि आपन उ स परेम कर व औउर उ शब्द स जो केहु औउर तरीका सजीते क प्रयास न कर व आत्मा उ के परेम क प्रभाव म आपन परिवार क सदस्य क खीच लेत हन परंतु आपन दुसरा स परेम न कर कर पाइव जदि आपन परमेश्वर क परेम क लेल अनुमति न देवत हन।

इफिसिया २८ म लिखत ह "काहे के विश्वास क दुआरे (निशुल्क) अनुग्रह स (प्रवीणता क आधार पर न) तोरा उद्धार होयल ह।" का आपन जानत ह कि उद्धार होयल ह। का आपन जानत ह कि उद्धार पावे क लेल आपन कुछ न कइल ह। हमरा म स अधिकांश उद्धार सबसे

अच्छा भला काम वा केहु योग्यता क आधार पर न कइल ह। इकर केवल एक ही कारण ह परमेश्वर न हमरा से एइसन (इतना अधिक उद्धार पात समय बुरा दशा मे रहल हन औउर यीशु न हमरा उद्धार पत समय बुरा दशा म रहल हन औउर यीशु न हमारा उद्धार सबसे अच्छा भला काम वा केहु योग्यता क आधार पर न कइल ह। इकर केवल एक ही कारण ह परमेश्वर न हमरा स एइसन (इतना अधिक) परेम कइल कि उ आपन एकलौता पुत्र दे देल ताकि जे उ पर विश्वास करत नाश न हो परंतु अनंत जिनगी पायल हन (युहन्ना ३:१६)

अनुग्रह क परिभाषा इ प्रकार भी देल जा सकत ह कि इ हमरा जिनगी क सभे आवश्यकता क आपूर्ति क लेल परमेश्वर क योग्यता क उपयोग करे क लेल परमेश्वर क सहमति ह । जे प्रकार परमेश्वर न हमरा पर्याप्त देलस ह कि हमरा उद्धार हो सके उ प्रकार परेम क कारण उ अनुग्रह देत ह कि हम उ विश्वास को पायल हन जेसे विश्वास कर सकत कि उ हमरा चंगा करे वाला है। उ आपन विश्वास देत ह कि आपन उ आपूर्ति करे वाला पर विश्वास कर सके।

जदि इ विश्वास जे इ हमरा देहल, इतना सक्षम रहे कि हमरा सबेपाप क उधार कर सक, त उ विश्वास हमरा भीतर इतेक सक्षम ह कि इ जिनगी भर हमरा अन्य दुसरा आवश्यकता क आपूर्ति क लेल काम कर सकत ह। जदि आपन विश्वास करत हन कि परमेश्वर आपन स परेम करत हन, और आपन इ परेम क पहिचाने प्ररम्भ कर देत ह तबे आपन उ पर भरोसा करे क प्रारम्भ कर देत ह, आपन विश्वास हो जायत कि परमेश्वर क वचन सत्य ह। आपन इ जानव कि उ आपन स परेम करे क करण कबहु आपनस मूढ न वोलत हन।

एम्पलीफाईड बाइबल संसकरण क अनुसार "विश्वास" क अर्थ हव परमेश्वर क समर्थ, बुद्धि और भलाई पर समग्र रूप स भरोसा औउर निर्भरता रखत होयल आपन संपूर्ण मनुष्यत्व क उ परमेश्वर पर अवलम्बित हो जाय क ह (यु १:४) जबे अपन परमेश्वर क आपन उ से परेम करे क देत ह आपन उ से परेम करत ह औउर उ पर भरोसा रखे सीख जाइव औउर आपन विश्वास कर सकत हन।

परमेश्वर आपन स परेम करत ह!

५

भय स मुक्ति

> परेम स भय (आतंक व डर क नाम निशान) क मिटा देत हा काहे कि भय स कष्ट होत ह औउ इ लेल जे भय करत ह उ परेम म सिद्ध न होएल ह (परेम क परिपक्व तक न पहुंच पायल ह)
>
> — १ यूहन्ना ४:१८

हम हमेशा इ मानकर खुश रहत ह कि परमेश्वर हमरा स परेम करत ह और हम उ पर विश्वास और भरोसा करत ह (परेम क परिपक्व तक न पहुंच पायल ह) यूहन्ना ४:१८

हम हमेशा इ मानकर खुश रहत हा कि परमेश्वर हमरा स परेम करत ह औउर हम उ पर विश्वास भरोसा करत हा परंतु तबे अचानक हमरा पे केहु आक्रमड हो जात हा

परिस्थिती विश्वास क सबसे अधिक हरण करत ह अर्थात उ बुरा बात जे हमरा सथ घटत ह। जबे तक परिस्थिती ठीक रहत ह परमेश्वर आपन स परेम करत ह उ विश्वास करे म आपन केहु तरह क तकलीफ न होत है । तबे शैतान भय औउर दोष भावना लेकर आपन परमेश्वर क परेम स जे आपन के स्वतंत्र करत हन अलग क्रे क प्रायस करत ह अलग करे क प्रयास करत ह। अबे कह इ का होएल? इ कहत ह हम बुरा बात तुम्हरे साथ काहे हो रहल ह? तु जरूर बुरा कम करत ह., परमेश्वर वस्तव मे तोहरा से नाराज ह,

तबे आपन आप विश्वास खो जाईत ह, औउर परमेश्वर आपन मदद कईसे करत जबे कि आपन विश्वास खो चुकल ह आपन विश्वास म दृढ विश्वास स भरपुर न ह, जदि आपन न जानत कि परमेश्वर आपन स (अरेम करत ह, शैतान क लेल अपराध बोध औउर भय क ग्रहण कर लेत ह त आपन न जानव कि परमेश्वर आपन स कितेक परेम करत हन।

युहन्ना ४:१८ मे पढ, एक विलक्षण सामर्थी कथन दिहल गयल ह, सिद्ध परेम भय क दूर कर देत ह "हम इ वचन पर बार बार मना कईले औउर समझे क प्रयास कइले औउर एगो दिन परमेश्वर न आखिर हमरी आत्मा म इ का आर्थ दिलह। सिद्ध परेम भय क दूर कर देत ह और परमेश्वर उ सिद्ध परेम ह।" सिद्ध परेम भय के दूर कर देत ह और परमेश्वर उ सिद्ध परेम ह, जबे आपन जानत ह कि आपन लेल उनकर परेम किता सिद्ध ह तबे समस्त संसार म एइसन कुछो न हन जे आपन भयभीत कर सकत। आपन लेल भयभीत होवे ला असम्भव ह जदि आपन व्यक्तिगत रूप स इ प्रकाशान पा चुकल ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत हन।

जदि आपन जानत ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत ह त असफलता का भय खायल असंभव ह। जदि आपन परमेश्वर पर निर्भर ह आपन असफल न हो सकत ह। आपन केवल तबे असफल हो सकत ह जबे आपन स्वय पर निर्भर करत ह। जदि आपन असफल ह कि परमेश्वर आपन स्बय पर निर्भर करत ह। जदि आपन जानत ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत ह त आपन असफलता स न डर व जदि आपन जानत ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत ह आपन निस्कृत होवे स भयभीत न होत हन।

एम्प्लीफाईड बाइबल संसकरण म वचन इ प्रकार लिखर ह

परेम म भय न होत वरन सिद्ध परेम भय क मिटा देत ह काहे कि भय स कष्ट होत ह औउरजे भय करत ह उ परेम म सिद्ध न होएल हन युहन्ना ४:१८

बहुत से लोग सोचत ह कि पवित्र शास्त्र क इ वचन क आरम्भ ह कि जदि हम परमेश्वर क पर्याप्त परेम रख व तबे उ परमेश्वर स भयभीत न होयल वा आपन केहु स पर्याप्त परेम रखव तबे तय भय आपन जिनगी क छोड कर चल जात ह परंतु वचन क इ अर्थ न ह।

इकर आरम्भ ह ज्दि आपन परमेश्वर क आपन स परेम करे दे रहल हन। तबे आपन भयभीत न हन। जदि आपन अपन जिनगी म भय न चाहत आपन परमेश्वर क अवसर देवे क होत हन कि उ आपन स परेम करे ह। विश्वास करेक परमेश्वर क परेम आज औउर अबही स्वीकार कर, विश्वास म आगे बढ औउर अपन लेल परमेश्वर का सारा परेम क ग्रहण कर।

जबे स परमेश्वर न हमरा भय स मुक्ति दिलावे वाला अपन परेम क इ प्रकाशन दिहल हमरा इकर अभ्यस करना हन। हमरा कार म गडबडी क हम सोचत कि ट्रंसमीटर खराब हो रहल हन। हमरी कार म एक बडा ट्रांसमीटर रहल इ लेल बदल वाइल क बदला उ वईसन ही चलत हन।

परमेश्वर एगो दिन सुबह हमरा स बातचीत स बाताबेवेत करत जॉयस आज पूरा दिन हमरा स परेम करत होयल व्यतीत करत, उ अउर हम तोरा स परेम करत तु औउर कुछ भी न करत ह। तोरा बहुते बड विश्वास करी क आवश्यकता न ह, तु सिरफ हमरा स परेम करत ह औउर हमर अवसर द कि उ हम सिरफ हमरा स परेम करत ह औउर हमरा अवसर द कि हम परेम करी पूरा पूरा दिनभर, हमरा अवसर द कि हम परेम करी पूरा दिनभर हमरा परेम करे द। इ लेल हम दिनभर अपन आपके सबसे पवित्र विश्वास म बनाएल रखत हुए गीत गात रहल, परमेश्वर क लेल स्तुति करत हुएल कहत कि हम कार क पहिया गीयर स उपर उढा न पा रहल ह, अबे हम कार खडा करत पडल ह।

हम तुरंत ही दरवाजा बंद करके औउर हंसे लगत ह हम एइसा करके क निर्णय न ले रहल हन, परंतु इ स्वत; गईल हन, इ हंसी हमरी आत्मा से निकला रहल हन, परमेश्वर न हमरा दिखएल कि इ इलेल हन काहे किहमरा हंसे पड सकत हन परमेश्वर क परेम परेम करे देवे क अर्थ ह, दरवाजा खोले क ताकि विस्व्वास आपन्नभीतर स बहर अ सकत हन, हम बस हंस रहल रही हन औउर उ विश्वास हन,

जबे शैतान उ के विरोध म आत ह, औउर आपन जानत ह कि जे प्रयास उ कर रहल ह "मुर्खतापूरण औउर हास्ययस्पद ह औउर आपन उ कर रहल ह" औउर विश्वास स हंसत हन, आपन जानत ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत ह औउर उ ने आपन क ढाककर रखत ह।

इ करण जबे कि हम कार क ट्रांसमीटर क लेकर हंस रहल हन परमेश्वर न हमरा हृदय म एक शांत औउर धीमा आवाज म कहल, इ अत्यधीक सामर्थ्य शाली आवाज हन, हम तोरा कंबहू भी निराश न करव, हम तोरा कबहु भी निराश न करव।

जदि आपन परमेश्वर पर अवलम्बित हो जयल, आउर आपन सपरेम करे क अवसर, देत ह आउर उ से परेम करत, आपन उ सभे प्रयास क भूल जायल जे आपन विश्वास के सकिय करे क लेल काम म आत ह। आपन केवल परमेश्वर से अपन स प्रेम करे, देत ह औउर आपन स परेम करत जात ह औउर उ आपन मनोकामना क पूरा करत ह। परमेश्वर क परेम आपन क भीतर उठत समस्त भय क दूर कर देत हन।

परमेश्वर आपन से प्रेम करत ह।

६

प्रेम क दायरा बढत जात ह

"और उ से इ आज्ञा मिलत हा जे केहु परमेश्वर स परेम रखत ह उ अपन भाई स भी परेम रखत ह"

– १ यूहन्ना ४:२१

आपन परमेश्वर क विशेष संतान उ ने व्यवस्था विवरण ७:६ मे इ कहल हन, जदि आपन इ के अनुसार काम करे लागत ह त इ कहल हन। आपन सुपर बाजार जाइव, चेहरा पर मुस्कान लेल औउर समन क टोकरी पकडात हुयल कहत ह जे कुछ हम सपर्श करत हन उ आशिषित ह, हाल्लेलुलह आज हमरे इ स्टोर म आवे क कारण इ धन्य ह, स्तुति ह, सारा स्टोर म खुशी स घुमत औउर गात हुये औउर जहवा केहु भी आपन जात ह आपन आप क विशेष समझ ल।

जबे हम इ जाने लहत ह कि हम क तेक विशेष ह औउर इ प्रकार कारज करत ह, जइसे परमेश्वर हमरा से परेम करत ह, हामसंसार क यीशु क लेल जीत्य सकत ह, परेम कर दायरा बढत जायत ह, औउर जंगल क्न आग क तरह फैलत ह, परंतु जदि आपन केहु भी जाइव आउर कहब कि आप मसीही हन, आउर दुसरा पे गुर्रायब, केहु फयदा न होत आपन कहव, हम मसीही ह, हम मसीही ह, परंतु जबे एक कार आपन ठीक समने आकर रुकत ह, औउर चिल्लात ह "बाहर आव उमी हमरा रास्ता स हट जा का हम तु न जानत कि हमरा चर्च जायल ह। हमरा मीटींग। सभा क लेल देर हो रहल ह मूरख।"

हम हमेशा इ प्रकार क व्यवहार करत ह। का आपन जम क प्राप्त करे क लेल तैयार ह। आपन आत्मा क क्षेत्र म आपन दायरा का बढावत हन और जम क प्रप्त कर और कह शैतान अबे बहुते हो चुकल; ह तु हमरा झूठ बोलकर औउर डर दिखाकर बहुते भटका चुकल ह, परंतु अबे हम यीशु क नाम म जय क पावे जा रहल ह, काहे के इ परमेश्वर हमरा स परेम करत ह, औउर तु इ बारे म कुछ न कुछ कर सकत।

आपन भीतर परमेश्वर क परेम आपन क भय समुक्त कर देत औउर आपन दुसरा ता अपन परेम क दायरा बढा वे म बिल्कुल न डरत ह, जबे परमेश्वर आपन स कहत ह कि उ आपन दुआरे महान कारज क करत ह काहे कि यीशु अपन इ पर विश्वास कर का आपन सचमुच विश्वास करत ह कि परमेश्वर आपन क उअपयोग करत हम। परमेश्वर आपन उ सब देही जे लेल आपन इ पर विश्वास करत ह, आपन विश्वास म आगे कदम बढवे स डर न लागत हन, हम इ विश्वास का चट्टान कुछ

काम करत क किनारे पर ख़डा हो जात हन, बिल्कुल किनारा जहा कुछ काम करत हुये भय लागत ह, परंतु परमेश्वर कहत, आगे बढ आगे आव, आउर हम विश्वास स सामने छलांग लगादेत ह, औउर परमेश्वर हमरा एक बार भी लज्जित होवे न दिहल हन।

का आपन जानत ह किहम आगे कदम बढात समय चिंता काहे न करत औउर असफलता स काहे न डरत काहे कि कि हम जानत ह कि परमेश्वर आपन से प्रेम करत ह, इ हमरा से परेम करत ह, औउर इ जानत ह कि हम उनकरा से परेम करत हई, आउर उनकर आग्रह के कारण हमरा आपन जिनगी उनकर लेल समर्पित कर देइत ह, जदि आपन एइसा करत ह, औउर आपन परमेश्वर स पर्तेम करत ह, औउर आपन सपरेम करत ह, तबे इ सृष्टी मे ऐसन कौनो फूंकावट न ह जे पर अपन जय न प्राप्त कर सकत ह।

कौन हमरा मसीह क परेम स अलग करत हन। का क्लेश वासंकट, वा उपड्रव वा अकाल वा नंगाई गिनल पा जोखिम वा तलवार।

जईसा लिखल ह कि तोरा लेल हम दिन भर घात कइल जात ह हम बध। मारत होवे वाला भडक नाई गिनल गयल ह।

परंतु इ सब बात म हम उनकर दुआरे जे से हमरा परेम क इल ह, जयवंत स भेवे बढकर हन

काहे के कि हम निश्चय जानत ह कि न मरल न जिंदगी, न सवर्गदूत, न प्रधानता, नभविष्य, न सामर्त्य न उचई, न गहराई, नकेहु औउर संसार, हमरा परमेश्वर क परेम स जे हमरा मसीह यीशु म ह, अलग कर सकत रोमियो

आपन विचार म कमी इ बात पूरा तरह न जा सकत कि परमेश्वर कतेक अधिक चाहत ह कि आपन स्वतंत्र होत ह जब आपन दुखी होत ह परमेश्वर क चोट पहुचात ह कबहु कबहु भोर उठत ह औउर दिन भर आपन मूड खराब रहत ह। का आपन समझ रहल ह कि हम कइसे दिन क बात कर रहल ह। का आप्न पलतु बिल्ली के लात मारत, बच्चा पर चिल्लात, पडोसी से चिढत औउर आपन चेहरा पर उदासी, खीझ अ अवसाद दिखाइ देत ह काम औउर काम, परंतु केहु क मुह स सराहना क एक शब्द भी न निकलत ह?

हम जानत ह कि परमेश्वर क एसे चोट पहुंच रहल ह? जब बच्चा घर आत, आपन सोचत, का न? क बदल १४ घंटा स्कूल म ही रहत ह?

का आपन जानत ह कि परमेश्वर क इसे चोट पहुंच रहल ह। हम इ प्रयास ना कर रहल ह कि आपन बुरा लागत ह परंतु हम आपन इ अहसास दिलावे चाहत ह इ जदि आपन विश्वास कर क कि परमेश्वर आपन स परेम करत ह तबे आपन इ परेम क प्रत्युत्तर देवे प्रारम्भ कर देत ह, तब उनकर परेम आपन के परिपूर्ण कर देत ह, औउर घमण्ड के बाहर निकाल देत ह, औउर उनकर दायरा दुसरा तक बढत लागल ह, आपन स्वतंत्र होकर एक प्रिय अमदी बन जायत ह औउर दयालुता क फल आपन म फलवंत होत हन।

जदि आपन इ तथ्य क भाग ल कि परमेश्वर अपन स परेम करत ह आपन अपन चंगाई मिलत हन, आपन समृध्दताअ आयत औउर अपन सभे जरूरत पूरा होवत काहे। काहे? आहे कि आपन परभु म विश्राम करे क प्रारम्भ कर देत हन।

परमेश्वर जे हमरा देवे चाहत ह उ मे स अधिकांश हमरा न दे सकत ह, इकर मुख्य कारण हन कि हम उ चीज क स्वत; प्राप्त करे म इतना व्यस्त हो जात ह कि परमेश्वर हमरा पकड न पात। परमेश्वर चाहत ह कि हम उनकरा मे विश्राम कर औउर केवल उनकरा स परेम कर।

इ चाहत हा कि आपन परमेश्वर क आपन स परेम करे देत हन, औउर उ चीज प्राप्त करत हन।

शैतान आपन रोक न सकत, ज्दि अपन परेम करत ह, काहे कि जदि आपन परेम करत ह त आपन देवे क जनत ह। आपन विना देल परेम न कर सकत।

व्यवस्थाविवरण ७:६ म दियल वचन क अंतिम भाग इ प्रकार ह (एम्पलीफाइड बाइबल) परमेश्वरनतोरा इ विशेष प्रजा औउर निजधन होबे क लेल चुन लिहस हन।

परमेश्वर न तोरा बुलाहट दिलह ह शायद अबही काम केवल घर औउर परिवार क देखबाल करना ह, परंतु परमेश्वर न बुलयल ह, जदि आपन वस्तव मे परमेश्वर दुआरे उपयोग होवे क चहत ह औउर आपन विश्वास क दुसरा क आवश्यकता पूरा करे क लेलविकसित कर। यीशु प्रार्थना करत औउर परमेश्वर स सामर्थ्य मांगत हन औउर फिर जकर उ लोग क मदद करे लगत ह जे उनकरा पास विश्वास लेकर आत हन।

तबे उ परमेश्वर क वचन उ सुनात, उ पर हाथ रखत औउर उ आश्चर्य करम प्राप्त करत हन। उ एक अकेला कोना म बैटह्कर पूरा

समय इ विश्वास करे क प्रयास करत न करत हन कि परमेश्वर उ इ सब देत हन जे उ चाहत हन। आपन इ बात क आवश्यकता ह कि परमेश्वर स कह कि आपन का चाहत ह। आपन जिनगी क सबसे बड अभिलाषा दुसर क आवश्यकता क पूर्ति करे क होवे क चाहत हन।

सच्ची समृद्धता क सही रूप म परिभाषित कर त इ परमेश्वर क योग्यता क सामने आवे वाला आवश्यकता क आपूर्ति क लेल उपयोग करे क क्षमता ह। परमेश्वर क परेम आपन उ जोग्यता प्रदान करत हन कि आपन दुसरा क आवश्यकता क प्रथम स्थान देत हन। का आपन सोचत हन कि परमेश्वर आपन स इतेक परेम क दायरा बढाकर उ अमदी तक पहुचत हन जे प्यार करे क आपन लेल कठिन ह जे कुड कुड करत ह औउर कबहु सराहना न करत?

जे आपन स परेम करत ह उ से परेम करे म आपन कुछ न जात। इ मे केहु कठिनाई न ह। केहु भी पुरना पाप इ काम कर सकत ह। परंतु जबे आपन केहु अप्रिय अमदी स परेम करत ह, आपन जोर लगाकर परेम करत ह, करे क जात ह औउर परेम करत जात ह। तबे परमेश्वर क परेम उ बदल देत ह।

इमे शायद एक वर्श लगत ह, औउर उ उन सबसे वी परेम करत ह जे आपन आस पास रहत ह। चाहे उअनकर उद्धार पा लिहल ह वा उ अबही भी पाप ह। उ उअनकरा स परेम करत ह औउर आपन उअपयोग करे चाहत ह एगो माध्यम क रूप म, ताकि उ पर अपन परेम क उडेल सकत हन।

आगे बढे स मत डर। परमेश्वर क परेम आपन समस्त भया सविमुक्त करत हन, औउर उ आपन क परेम करे क जोग्यता दिहल ह। परमेश्वर का परेम क अपन आस पास विस्तारित करे क लेल दृढ संकल्प कर ल। अमदी स मेल जोल औउर मित्रता बढात ह। अमदी स मित्रता करना अपन पेशा बन जात ह औउर आपन मसीह क देह न अमदी क लेल आशीष क कारण बनत हन।

अमदी क रात्रिभोज पर बुलावऔउर अमदीस भेंट कर औउर उ भेंट करे क आत हन। अमदी स हाथ मिलात, मुस्कुराहट। परमेश्वर न आपन एक काम दिहल हन, उ आपन उ तरह उपयोग म लावे चाहत ह जे तरह ड धरती क केहु अन्य प्राणी क उपयोग म न ला सकत हन।

ऐसन अमदी भी ह जे तक केवल आपन पहुंच सकत ह, केहु दुसर अमदी उ तक न पहुंच सकत, परंतु केवल आपन परमेश्वर स पूछ सकत ह कि आपन उनकर परेम क साथ दुसरा तक कइसे संपर्क कर औउर उ आपन सिखावत हन।

परमेश्वर आपन स परेम करत ह।

७

परमेश्वर क प्रेम आपन बदल दींही

परेम इ म न कि हम परमेश्वर स परेम करत हन, पर इ म ह कि हमरा स परेम कैलस ह, औउर हमरा पाप क प्रायश्चित क लेल अपन पुत्र क भेजन हन।

— १ यूहन्ना ४:१०

परमेश्वर हमरा स परेम करत ह परंतु हम न सोचत कि हमरा म स अधिकतर उ प्रेम क पूरा तरह समझ पात ह, परमेश्वर न उ दिखात ह, इ विषय पर हमरे अध्ययन क दुआरे कि जदि हम वास्तव म आपन आत्मा म जान ल कि परमेश्वर हमरा स कितना अधिक परेम करत ह हम आत्मा म काफी उन्नत हो जाइत हन औउर अक्सर हम जैसन ह उ स अधिक परिवर्तित कर देत हन औउर अकसर हम जइसन ह उ स अधिक परिवर्तित हो जइत हन औउर दिखाई देत हन।

आपन लेल परमेश्वर क परेम पर मनन करत हन इ बात आपन क परिवर्तित कर देत हन, जदि आपन स्वय क विषय म केहु बात क नापसंद करत ह, इ जाने क आपन जानत ह कि परमेश्वर आपन स परेम करत हन आपनक बदल देत हन।

आपन इ जानकर कैसन लागत ह कि केहु अपन स परेम करत हन। इ जनकर अच्छा लगत ह, हन का आपन खराब लागत ह? परमेश्वर न हमरा बतैलस कि कुछ अमदी जे पुस्तक क पढत हन, उ स्वय क नापसंद करत ह। आपन जे काम करत ह उ से नफरत करत ह औउर तथ्य क स्वीकार न कर पात कि आपन एगो नया सृष्टि ह आपन लगातार आपनपुराना स्वभाव स लड रहल ह।

जबे तक आपन अप म बुरा महसूस करत हन आपन आप क नपसंद करत हन औउर इ महसूस न करत हन कि आपन विशेष ह तबे तक आपन कबहु विशेष व्यवहार नकरव। बाइबिल म लिखल ह काहे कि जइसनउ अपन मन म विचार करत ह वईसन उ आप ह (नितिवचन २३:७) इसबे इ लेल होत ह काहे कि आपन अबे तक परमेश्वर आपन स परेम करत ह इ तथ्य क अपनायल न ह। परमेश्वर आपन स कतेक अधिक परेम करत ह हजाने क समर्थ प्रदन करत ह।

परमेश्वर चाहत ह कि आपन उअनकर साथ हरेक दिन सम्बन्ध रख। इ बात स आपन बदल जाइव। जदि आपन परमेश्वर क साथ व्यक्तिगत रूप म वितावे होत हन। उ से परेम करत हुये औउर आपन परेम करे क अवसर देत होयल, इ बात स आपन उन्नति होत हन औउर आत्मिक मनुष्यत्व म आपन बलवानबनत जाइत हन।

बहुसंख्यक अमईआलसी होत ह औउर इ एइसन न करत हन। इ इ पसंद करत ह कि केहु उनकर लेल इ काम क कर। बहना मत बनाव। प्रत्येक अमदी के इ पढ रहल ह औउर परमेश्वर क सथ सहभागिता न रख रहल ह, परंतु जे हम लिखल रहल ह उ के कारण निरुतार हन, शैतान उनकर पीछे आकर जरूर इ कहत इन परंतु तोहरे पास करे क लेल औउर भी काम ह।

हम जानत ह, ऐसा होत ह, शैतान हमरा एगो क बाद एक बाहानआदेत ह, परमेश्वर क लेल गम्भीर रह औउर उ पुकार ल। परमेश्वर क वचन औउर उनकर साथ असहभागिता करल आपन क बदल देते हन। परमेश्वर न आपन जोग्य बनात ह। फिलिपिया ४:१३ म सारा सृष्टि म एइसा कुछ न ह जे आपन यीशु मसीह क सामर्थ्य म होकर न कर सकत हन।

जइसे ही परमेश्वर केहु समस्या स इशरा करत ह, आपन सामर्त्य औउर जय म उठकर उ से परास्त कर देत ह, ज्दि आपन उठत हन औउर परमेश्वर क परेम क स्वय् क लेल ग्रहण करत हन औउर उ गंधा, दृष्ट, शैतन क बात सुने स मना कर देत हन जे आपन स कहत ह कि आपन कतना बुरा ह औउर आपन म कुछ भी अच्छा न ह त आपन जयवंत होकर कार्य करे क आरम्भ कर देत हन।

अबही आपन शायद अच्छा काम न कर पा रहल परन्तु जबे आपन विश्वास करत हन कि अपन आंतरिक रूप स एक नया सृष्टि ह, आपन आनतरिक रूप स एक नया सृष्टि ह आपन भिन्न रूप म काम करे लागत हन। जबे तक आपन उठकर इ न कहब परमेश्वर क स्तुति ह हम विशेष

ह, हम पवित्र ह, परमेश्वर न हमरा चुनल ह, औउर मेमना क लोहु स परिशुद्ध कर देल ह, अबे हम इ प्रकार कारण करत हन, औउर शैतान हमरा तोहर परवाह न, हम कतना भी गलति कर व हम आगे बढब। तबे तक आपन जरा भी न बदलत हन, औउ न अलग तरीका स काम करत हन। परमेश्वर हमरा सम्भाले औउर आगे बढे क लेल पर्याप्त ह उ हमर गडबडी औउर उअलझा क दूर करत हन औउर सुधारत जैत हन। आपन कौन स समस्या व कठिनाई रोक सकत ह, जबे की आपन जानत ह कि आपन जानत ह - परमेश्वर आपन स परेम करत ह, एगो भी न आपन सब बात म जयवंत होत हन।

का आपन जीते बाला बनल पसंद करत हन। उतार द, तबे का आपन जीत क लेल कुछचाहत हन। इहे तरीका ह, जेकर दुआरे आपन बढब। जदि आपन पास केहु समस्या वआकठिनाई न ह, औउर उइसन कुछ न ह जे से आपन जीते चाहत ह, तबे आपन आपन विश्वास क के पर आजमायत हन?

आपन का पास आवे वाला कठिनाई क उन्नित क रे क लेल एक अवतार के समान उपयोग कर, पता कर कि परमेश्वर का करत हन, जदि आपन परमेश्वर पर अवलम्बित हो जाइब आउर उ से आपन स परेम करे क अवसर प्रदन करत हन औउर उसे आपन सपरेम करत हन तबे आपन अपन प्रयस भू जाइग्वकि कइसे विश्वास के सक्रिय कर औउर परमेश्वर के विश्वास म परेम कर जाइत हन।

जबे आपन परमेश्वर क आपन स परेम क अवसर देत हन औउर उ से परेम करत हन, तबे हर समय, हर जगह आपन मदमस्त होकर

विवरण करत हन जाइअसे अपन जिनगी क केहु भी परिस्थिती आपन क प्रभावित न कर पाइत हन काहे कि आपन परमेश्वर क परेम म होकर करण करत हन।

हम बदल गइल ह, इ समझे क लेल हमरा एक भी शब्द कहे ज पडत ह, उ देख सकत हन। यदि आपन परमेश्वर क परेम कर वशीबूत कारण करत हन, त आपन हरसमय मुस्कुराहट रहव। आपन सुंदर लागत हन, आपन भीतर उर्जा औउर समर्त्य बन जाइत हन काहे कि आपन पवित्रता म हर समय इतना स्क्रिय औउर उर्जवान रहत हन कि आपन हर समय एक आवश्यकता क आपूर्ति हो जइत हन।

आपन आप कहत ह, परमेश्वर हमरा से परेम करत ह, हालेलुल्लाह परमेश्वर हमरा से परेम करत ह, अब आगे बढ औउर विश्वास म एक बड छलांग मार औउर विश्वास कर।

परेमश्वर वास्तव म आपन स परेम करत ह।

एक नया जीनगी क अनुभव कर

जदि आपन कबहु भी यीशु क अपन परभु औउर उद्धारकर्ता मानकर स्वीकार न करत ह, हम आपन क आमंत्रित करत ह कि आपन एइसन कर आप इ प्रार्थना कर सकत ह औउर जदि इ विषय म आपन सचमुच गम्भीर ह, आपन मसीह म एक नया जिनगी क अनुभव पाइत हन।

हे पिता परमेश्वर हम आपन पुत्र यीशु मसीह पर विश्वास कराइत। कराइती ह, जे संसार क उधारकर्ता ह। इ हमरा लेल क्रुस पर मरत औउर उ न हमर पाप क उढायल। उ नरक म उतर औउर उ ने मृत्यु औउर कब्र पर जय प्राप्त काइलन हन। हम विश्वास करइत करैति ह कि यीशु मृतको मे से जी उटह्त ह, औउर अबे दाहिना ओर विराजमान ह, हे यीशु हमरा अपन आवश्यकता ह। हमरे पाप क्षमा कर हमरा उढ्दार कर। हमरा म पास कर। हम नया जन्म पावे चाहतन। चाहइतीहन।

अबे विश्वास कर कि यीशु आपन हृदय म विश्वास करे लागत ह। आपन पाप क्षमा हो चुकल ह औउर आपन धरमवाला ढहरायल जा चुकल ह औउर आपन स्वर्ग जाइव।

आपन आस पास एक उ तम। बढिया कलीसिया क खोज कर जहाँ परमेश्वर क वचन सिखायल जात ह, औउर मसीह म उन्नति कर। परमेश्वर क वचन क ज्ञान क बिना आपन जिनगी म कुछ न बदल सकत हन। यूहन्ना ८:३१,३२ म लिखल ह "जदि तु हमरे वचन म बनल रहत हन, तु हमरा तले। नीचा ढहरत हन। त सत्य क जानत हन और सत्य तोरास्वतंत्र करत हन।"

हम आपन के प्रोत्साहित करत ह कि परमेश्वर क वचन क भामले रह., इ अपन हृदय क गहराई म वसा ल, २ कुरि ३:१८ क अनुसर, जबे आपन परमेश्वर क वचन क देखत हन, आपन यीशु मसीह क तेजस्वी स्वरूप म अंश अंश काइके बदलत जाइअत हन।

सप्रेम,
जॉयस मेयर

लेखिका क विषय म

जॉयस मायर संसार क परमुख बाईबल क व्यावहारिक शिक्षक म स एगो ह, नयूयार्क टाइम्स क सबसे अधिक बिकेवाला लेखक, इ नब्बे स भी अधिक प्रेरणात्मक पुस्तक लिखलन ह, जे में शामिल है लिविंग बियोंड योर फीलिंग्स, पॉवर थॉट्स औउर बैटलफील्ड ऑफ दि माईंड पुस्तक क संपूर्ण क्षंखला, औउर दुगो उपन्यास, द पैनी औउर एनी मिन्ट, साथे साथ संपूण विडियो लाइब्रेरी जोयस मायर क इंज्वाय एवरीडे लाइफ क रेडियो औउर टेलीविजन प्रोग्राम, जे दुनिया भर म प्रसारित होई रहल ह, उ बहुते जात्रा करत ह, कांप्रेंसो क संचालन करत होय, जायस मायर औउर उनकर दुलहा डेव चार व्यस्क बच्चा क माई - बाबू ह औउर इ सेंट लूईस म रहत ह।

To contact the author in the United States, please write:
Joyce Meyer Ministries
P.O. Box 655,
Fenton, Missouri 63026
or call: (636) 349-0303
or log on to: www.joycemeyer.org

To contact the author in India, please write:
Joyce Meyer Ministries
Nanakramguda,
Hyderabad - 500 008
or call: 2300 6777
or log on to: www.jmmindia.org

अपन लेल परमेश्वर क वरदान क खोज कर:

बिना शरत परेम!

परमेश्वर क सामर्थ औउर परेम क हर भाग आज अपन लेल उपलब्ध है। औउर आपन बस भीड़ म स एक न, परमेश्वर आपन स परेम करत ह, केहु इ तरह जैईसे कि आपन इ धरती पर अकेला व्यक्ति ह, परन्तु समस्या इ ह कि बहुते स लोग क तरह आपन शायद इ समझ न पाइव, वा जदि आपन इ आपन दिमाग दुआरे जानत ह त शायद आपन इ अपन ह्रदय म महसूस न करत ह अबे आपन कर सकत ह । इ प्रेरणादायी पुस्तक क शक्तिशाली संदेश आपन क बताइ कि कैइसे ।

- अपन अंदर परमेश्वर क परेम क कैईसे पहचाने क ह
- कैईसे इ सोचना बंद करे क ह कि का आपन परमेश्वर क लेल ठीक ह
- आपन कैईसे परमेश्वर क परेम क अद्भूत बोध पा सकत ह
- परमेश्वर क कैईसे पावे क ह जिनगी क सबे स पीड़दायक क्षण म भी
- कैईसे परमेश्वर क परेम आपन के हमेशा क लेल बदल देत ह

आपन साथ अपन विचार औउर परकाश सांझा करत हुएल जेकरा से उनकर जिनगी बदल देहल । जायस मायर आपन लेल लात ह शास्त्रवचन औउर बुद्धिमता क इ वचन जे आपन लेल परमेश्वर क परेम क खिड़की खोल सकत है औउर इकर ज्योति व्यक्तिगत तौर पर स्वयं पर चमके द ।

JOYCE MEYER MINISTRIES® | Nanakramguda, Hyderabad - 500 008